उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 20 अंक

अनुबंधचतुष्टय, अधिकारी का लक्षण, अध्यारोप, अविद्या और उसके भेद, पंचीकरण, सृष्टिप्रक्रिया, अज्ञान का लक्षण एवं शक्तियां, आत्मा, तत्त्वमसि, अहं ब्रहमास्मि महावाक्य, ईश्वर, अपवाद, जीवन्मुक्ति आदि।

सहायक पुस्तकें –

1. वेदान्तसार व्याख्या – डा0 बद्रीनाथ शुक्ल
2. वेदान्तसार व्याख्या – डा0 सत्यनारायण श्रीवास्तव
3. वेदान्तसार व्याख्या – डा0 राममूर्ति शर्मा
4. सांख्यकारिका – डा0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी
5. सांख्यकारिका – डा0 गजानन मुसलगांवकर
6. सांख्यकारिका – व्याख्या शिवनारायण शास्त्री
7. तर्कभाषा – व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल
8. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर
9. भारतीय दर्शन – डा0 उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन – डा0 नन्दकिशोर देवराज
11. सांख्यसिद्धान्त – डा0 उदयवीर शास्त्री
12. न्यायप्रमाणपरिकमा – डा0 अभेदानन्द

एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2008–09

तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य, नाटक एवं साहित्य शास्त्र

पूर्णांक 100

पाठ्यक्रम

1. **मेघदूत** – **कालिदास**
2. **मुद्राराक्षस** – **विशाखदत्त**
3. **साहित्यदर्पण** – **विश्वनाथ–प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1–29 कारिकापर्यन्त)**
4. **ध्वन्यालोक** – **आनन्दवर्धन**
5. **नाट्यशास्त्र** – **भरतमुनि (अध्याय प्रथम तथा द्वितीय)**

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

प्रथम खंड
(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान भाव से पूछे जाएंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई	–	**मेघदूत (कालिदासकृत)**
द्वितीय इकाई	–	मुद्राराक्षस नाटक (विशाखदत्तकृत)
तृतीय इकाई	–	साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) इसके **प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1–29 कारिका पर्यन्त)**
चतुर्थ इकाई	–	नाट्यशास्त्र (भरतमुनिकृत) अध्याय **प्रथम तथा द्वितीय मात्र।**

द्वितीय खंड
(व्याख्यात्मक भाव) **50 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (अर्थात् व्याख्याएं) शतप्रतिशत **विकल्पों के साथ पूछे** जाएंगे। **इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात्** व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। **प्रत्येक प्रश्न के लिए 10** अंक निर्धारित हैं। **इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार** से होगा –

(क) मेघदूत के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) मुद्राराक्षस के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) साहित्यदर्पण के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेदों (1–29 कारिका) में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्पसहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत से किसी एक कारिका की संस्कृत भाषा के माध्यम से व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(ड.) नाट्यशास्त्र के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय की कारिकाओं में से किसी एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खंड
(निबंधात्मक भाग) **40 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20–20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 20 अंक

(1) कालिदास की काव्य–कला की विशेषताएं, मेघदूत का मार्ग, मेघदूत एक गीतिकाव्य है– इस कथन की पुष्टि, मेघदूत का प्रकृति सौन्दर्य।

(2) मुद्राराक्षस की नाट्यकला की दृष्टि से समालोचना, मुद्राराक्षस के मुख्य पात्रों का चरित्र–चित्रण, विशाखदत्त की नाटककार की दृष्टि से समालोचना।